उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार

आउटकम बजट वित्तीय वर्ष 2013–14 का विवरण।

विभाग के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी :–

प्राचीन संस्कृत साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन संस्कृत जगत को गुणवत्तापरक संस्कृत शिक्षण एवं शिक्षक के निर्माण के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,की स्थापना दिनांक 21 अप्रैल,2005 को की गयी। उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय में 05 संकायों यथा वेद–वेदांग संकाय (व्याकरण विभाग, ज्योतिष विभाग), दर्शन संकाय (सांख्य योग), साहित्य संस्कृति संकाय (साहित्य विभाग), आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय (योग विज्ञान विभाग,भाषा प्रौद्योगिकी विभाग),शिक्षा शास्त्र संकाय (बी0एड0 विभाग) की स्थापना की गयी है।

उपरोक्त के अतिरिक्त व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में योग,पत्रकारिता एवं जनसंचार, बी0लिब,कम्प्यूटर डिप्लोमा,ज्योतिष,वास्तु आदि पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जिससे प्राचीन परम्परा भारतीय संस्कृति का संवर्धन एवं सरक्षण हो रहा है।

विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह दिनांक 21.03.2013 को महामहिम डॉ0 अजीज कुरैशी (राज्यपाल उत्तराखण्ड) की अध्यक्षता में एवं प्रो0 महावीर अग्रवाल, कुलपति की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शास्त्री/आचार्य/शिक्षाशास्त्री (बी0एड0) व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सत्र 2010–11 व 2011–12 के 2603 छात्र/छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गयी तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में विशिष्ट योग्यता (मैरिट सूची) में स्थान प्राप्त करने वाले 32 छात्र/छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान कर महामहिम द्वारा सम्मानित भी किया गया।

2–संगठनात्मक ढांचाः–

*शासनादेश सं0–642/**XX**10/67/2005 दिनांक 06.08.2005* के द्वारा निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है।

1. कुलपति :– सर्च कमेटी द्वारा चयन
2. कुलसचिव :– सीधी भर्ती
3. वित्त अधिकारी :– प्रतिनियुक्ति के आधार पर

*शासनादेश संख्या 131/**XXIV** (6)/2006/54/2006 दिनांक 13.11.2006* के तहत निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया हैः–

कुलपति कार्यालय	कुलसचिव कार्यालय	वित्त अधिकारी कार्यालय	परीक्षा विभाग कार्यालय	शैक्षणिक विभाग
1–निजी सचिव मा0 कुलपति –01 2–आशुलिपिक–01 03–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–वाहन चालक–01 5–अर्दली/चपरासी–03	1–सहायक कुलसचिव–01 2–प्रशासनिक अधिकारी 01 3–आशुलिपिक–01 4–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–वाहन चालक–01आउटसोर्सिंग 5–अर्दली/चपरासी–01	1–प्रशासनिक अधिकारी –01 2–सहायक लेखाकार–01 3–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर 4–चपरासी–01	1–उपकुल सचिव–01 2–प्रशासनिक अधिकारी–01 3–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–चपरासी–02	1–सहायक कुलसचिव–01 02–प्रशासनिक अधिकारी –01 3–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–चपरासी–01 5–शैक्षिक पद–40 पद स्वीकृत है

*शासनादेश संख्या–115/**XXIV**–4/2008 दिनांक 26.06.2008* द्वारा शिक्षा शास्त्री के निम्न पद सृजित हैंः–

1–विभागाध्यक्ष/आचार्य–01
2–प्रवक्ता–07
3–लेखाकार–01
4–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02
5–परिचारक–02

*शासनादेश संख्या–158/**XXIV**–4/2011–4/2011–6(5)–2010 दिनांक 27.06.2011 द्वारा* यू0जी0सी0 12 'बी'– की मान्यता हेतु विभिन्न पद सृजित हैंः–

1–आचार्य/प्रोफेसर– 06
2–एसोसिएट प्रोफेसर–12
3–सहायक प्रोफेसर–08
4–सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष –01
5–कैटलागर–01 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
6–प्रोग्रामर–01 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
7–डाटा इन्ट्री ऑपरेटर–02 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
8–कम्पयूटर ऑपरेटर–04 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
9–वाहन चालक–02 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
10–चतुर्थ श्रेणी–05 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
11–अनुसंधान एवं प्रकाशन अधिकारी–01 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
12–चिकित्सक–01 पद आउट सोर्सिंग पर
13–फार्मेसिस्ट–01 पद आउट सोर्सिंग
14–योग प्रशिक्षक–01 आउट सोर्सिंग

विभिन्न शासनादेशों के तहत सृजित पदों के सापेक्ष पदों की स्थिति

क्र0 सं0	पदनाम	सृजित पद	भरे गए पद	रिक्त पद
1	विभागाध्यक्ष/आचार्य–01	1	1	0
2	आचार्य/प्रोफेसर– 06	6	0	6
3	एसोसिएट प्रोफेसर	12	0	12
4	सहायक प्रोफेसर	31	11+2=13 (02 संविदा पर)	18
5	सहायक पुस्तकालयध्यक्ष	1	0	1
6	निजी सचिव मा0 कुलपति	1	0	1
7	प्रशासनिक अधिकारी	4	4	0
8	आशुलिपिक	2	0	2
9	नैत्यिक लिपिक	11	10	1
10	लेखाकार	1	0	1
11	सहायक लेखाकार	1	1	0
12	वाहन चालक	1	1	0
13	अर्दली/चपरासी	11	10	1
	आउट सोर्सिंग के माध्यम से			
14	कैटलॉगर	1	1	0
15	प्रोगामर	1	1	0
16	डाटाइंट्री ऑपरेटर	2	2	0
17	कम्प्यूटर ऑपरेटर	4	2	2
18	वाहन चालक	3	2	1
19	चतुर्थ श्रेणी	5	2	3
20	अनुसंधान एवं प्रकाशन अधिकारी	1	1	0
21	चिकित्सक	1	0	1
22	फार्मेसिस्ट0	1	0	1
23	योग प्रशिक्षक	1	1	0
	योग	103	52	51

विभाग द्वारा संचालित योजनाएं/कार्यक्रमों की सूची व मद विषयक लक्ष्य एवं नीतियांः–

क्र.स.	कार्यक्रम/पाठ्यक्रम	लक्ष्य एवं नितियां
01	शास्त्री (सम्मानित)उपाधि–त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम	निर्धारित संख्या में छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराकर उपाधि प्रदान करना।
02	योगाचार्य–द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	–––तदैव–––
03	योग (पी0जी0 डिप्लोमा)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर–अधिकार पत्र) (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
04	ज्योतिष (पी0जी0 डिप्लोमा)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
05	वास्तुशास्त्र (पी0जी0 डिप्लोमा)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
06	कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
07	पत्रकारिता एवं जनसंचार–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
08	कम्प्यूटर पाठ्यक्रम–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
09	कम्प्यूटर पाठ्यक्रम–छः माह (प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)	–––तदैव–––
10	योग–छः माह (प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)	–––तदैव–––

परम्परागत आचार्य अधोलिखित अन्य पाठ्यक्रम

क्र.स.	कार्यक्रम/पाठ्यक्रम	लक्ष्य एवं नितियां
01	आचार्य–नव्यव्याकरण	निर्धारित संख्या में छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराकर उपाधि प्रदान करना।
02	आचार्य–फलित ज्योतिष	–––तदैव–––
03	आचार्य–साहित्य	–––तदैव–––
04	आचार्य–भाषा विज्ञान	–––तदैव–––

1–विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में शिक्षा शास्त्री (बी0एड0) पाठ्यक्रम एन0सी0टी0ई0 के दिशानिर्देशों पर शैक्षिक सत्र–2010–11 से प्रारम्भ किया गया है। शास्त्री तथा आचार्य उपाधियों के अर्न्तगत कई अन्य विषय आगामी सत्र 2013–14 से प्रारम्भ किये जाने का प्रस्तावित है, आगामी सत्र से व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत दिव्य संगीत में पी0जी0 डिप्लोमा एव ंकथा–प्रवचन में पी0जी0 डिप्लोमा सहित पी0एच0डी0 (शोध उपाधि) सम्बन्धी गतिविधियों एवं शिक्षाचार्य (एम0एड0) भी नये शैक्षिक सत्र से प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित हैं। इसके अतिरिक्त एन0एस0एस0 का कार्यक्रम भी चल रहा है।

विभाग द्वारा प्रस्तावित वर्षवार–2013–14 की प्रत्येक योजना का विवरणः–

क्र. स.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		परीकल्पित प्रोजेक्टैड आउटपुट		समय सीमा	परीकल्पित प्रोजेक्टेड आउटकम		समय सीमा
			नॉन प्लान	प्लान	नॉन प्लान	प्लान		नॉन प्लान	प्लान	
01	विश्वविद्यालय शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों हेतु आवश्यकता	जिन उद्देश्यों की पूर्ति के दृष्टिगत विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी उन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु		1038.67 लाख	–	वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा जिन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, उससे संस्कृत छात्रों को लाभ हो रहा है। योग, ज्योतिष, वास्तु, पत्रकारिता,, बी0लिब्0 जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जिससे संस्कृत जगत के छात्रों में रोजगार के अवसर बढने की संभावना है। संस्कृत में शिक्षा–शास्त्री (बी0एड0) पाठ्यक्रम संचालित होने से प्रदेश को संस्कृत माध्यम से पठन–पाठन कराने हेतु शिक्षक उपलब्ध होने की संभावना है।	पाठ्यक्रमों में निर्धारित समय सीमा के अनुसार		विश्वविद्यालय द्वारा जिन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, उससे निश्चित ही संस्कृत जगत के छात्रों को लाभ होगा। योग, ज्योतिष, वास्तु, पत्रकारिता,, बी0लिब0 जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित होने से संस्कृत जगत के छात्रों में रोजगार के अवसर बढेंगे। संस्कृत में शिक्षा–शास्त्री (बी0एड0) पाठ्यक्रम संचालित होने से प्रदेश को संस्कृत माध्यम से पठन–पाठन कराने हेतु शिक्षक उपलब्ध होंगे।	छात्रों की योग्यता अनुसार

विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य एवं नीतिगत पहल :–

❖ उपरोक्त वर्णित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु शिक्षण कार्य में विश्वविद्यालय द्वारा उच्च स्तरीय शिक्षण पाठ्यक्रमों का निर्धारण कर शिक्षकों द्वारा तद्नुरूप छात्रों को शिक्षण कार्य कराया जा रहा है। रोजगारपरक कार्यक्रमों हेतु प्रयोगात्मक अभ्यास हेतु उपकरणों/सामग्रीयों की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है, जिससे कि छात्र योग, ज्योतिष, वास्तु, पत्रकारिता आदि महत्वपूर्ण रोजगारपरक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों मे दक्ष हो सकें। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों की सुविधा हेतु पुस्तकालय की स्थापना की गयी है।

वित्त नियंत्रक

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार

आउटकम बजट वित्तीय वर्ष 2012–13 का विवरण।

विभाग के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी :–

प्राचीन संस्कृत साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन संस्कृत जगत को गुणवत्तापरक संस्कृत शिक्षण एवं शिक्षक के निर्माण के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,की स्थापना दिनांक 21 अप्रैल,2005 को की गयी। उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय में 05 संकायों यथा वेद–वेदांग संकाय (व्याकरण विभाग, ज्योतिष विभाग), दर्शन संकाय (सांख्य योग), साहित्य संस्कृति संकाय (साहित्य विभाग), आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय (योग विज्ञान विभाग,भाषा प्रौद्योगिकी विभाग),शिक्षा शास्त्र संकाय (बी0एड0 विभाग) की स्थापना की गयी है।

उपरोक्त के अतिरिक्त व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में योग,पत्रकारिता एवं जनसंचार, बी0लिब,कम्प्यूटर डिप्लोमा,ज्योतिष,वास्तु आदि पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जिससे प्राचीन परम्परा भारतीय संस्कृति का संवर्धन एवं सरक्षण हो रहा है।

2–संगठनात्मक ढांचाः–

*शासनादेश सं0–642/**XX**10/67/2005 दिनांक 06.08.2005* के द्वारा निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है।

4. कुलपति :– सर्च कमेटी द्वारा चयन
5. कुलसचिव :– सीधी भर्ती
6. वित्त अधिकारी :– प्रतिनियुक्ति के आधार पर

*शासनादेश संख्या 131/**XXIV** (6)/2006/54/2006 दिनांक 13.11.2006* के तहत निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया हैः–

कुलपति कार्यालय	कुलसचिव कार्यालय	वित्त अधिकारी कार्यालय	परीक्षा विभाग कार्यालय	शैक्षणिक विभाग
1–निजी सचिव मा0 कुलपति –01 2–आशुलिपिक–01 3–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–वाहन चालक–01 5–अर्दली/चपरासी–03	1–सहायक कुलसचिव–01 2–प्रशासनिक अधिकारी 01 3–आशुलिपिक–01 4–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–वाहन चालक–01आउटसोर्सिंग 5–अर्दली/चपरासी–01	1–प्रशासनिक अधिकारी –01 2–सहायक लेखाकार–01 3–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर 4–चपरासी–01	1–उपकुल सचिव–01 2–प्रशासनिक अधिकारी–01 3–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–चपरासी–02	1–सहायक कुलसचिव–01 02–प्रशासनिक अधिकारी –01 3–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02 4–चपरासी–01 5–शैक्षिक पद–40 पद स्वीकृत है

*शासनादेश संख्या–115/**XXIV**–4/2008 दिनांक 26.06.2008* द्वारा शिक्षा शास्त्री के निम्न पद सृजित हैंः–

1–विभागाध्यक्ष/आचार्य–01
2–प्रवक्ता–07
3–लेखाकार–01
4–नैत्यिक लिपिक/कम्प्यूटर ऑपरेटर–02
5–परिचारक–02

*शासनादेश संख्या–158/**XXIV**–4/2011–4/2011–6(5)–2010 दिनांक 27.06.2011 द्वारा* यू0जी0सी0 12 'बी'– की मान्यता हेतु विभिन्न पद सृजित हैंः–

1–आचार्य/प्रोफेसर– 06
2–एसोसिएट प्रोफेसर–12
3–सहायक प्रोफेसर–08
4–सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष –01
5–कैटलागर–01 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
6–प्रोग्रामर–01 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
7–डाटा इन्ट्री ऑपरेटर–02 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
8–कम्पयूटर ऑपरेटर–04 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
9–वाहन चालक–02 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
10–चतुर्थ श्रेणी–05 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
11–अनुसंधान एवं प्रकाशन अधिकारी–01 पद आउट सोर्सिंग के आधार पर
12–चिकित्सक–01 पद आउट सोर्सिंग पर
13–फार्मेसिस्ट–01 पद आउट सोर्सिंग
14–योग प्रशिक्षक–01 आउट सोर्सिंग

विभिन्न शासनादेशों के तहत सृजित पदों के सापेक्ष पदों की स्थिति

क्र0 सं0	पदनाम	सृजित पद	भरे गए पद	रिक्त पद
1	विभागाध्यक्ष/आचार्य–01	1	1	0
2	आचार्य/प्रोफेसर– 06	6	0	6
3	एसोसिएट प्रोफेसर	12	0	12
4	सहायक प्रोफेसर	31	11+2=13 (02 संविदा पर)	18
5	सहायक पुस्तकालयध्यक्ष	1	0	1
6	निजी सचिव मा0 कुलपति	1	0	1
7	प्रशासनिक अधिकारी	4	4	0
8	आशुलिपिक	2	0	2
9	नैत्यिक लिपिक	11	10	1
10	लेखाकार	1	0	1
11	सहायक लेखाकार	1	1	0
12	वाहन चालक	1	1	0
13	अर्दली/चपरासी	11	10	1
	आउट सोर्सिंग के माध्यम से			
14	कैटलॉगर	1	1	0
15	प्रोगामर	1	1	0
16	डाटाइंट्री ऑपरेटर	2	2	0
17	कम्प्यूटर ऑपरेटर	4	2	2
18	वाहन चालक	3	2	1
19	चतुर्थ श्रेणी	5	2	3
20	अनुसंधान एवं प्रकाशन अधिकारी	1	1	0
21	चिकित्सक	1	0	1
22	फार्मेसिस्ट0	1	0	1
23	योग प्रशिक्षक	1	1	0
	योग	103	52	51

विभाग द्वारा संचालित योजनाएं/कार्यक्रमों की सूची व मद विषयक लक्ष्य एवं नीतियांः–

क्र.स.	कार्यक्रम/पाठ्यक्रम	लक्ष्य एवं नितियां
01	शास्त्री (सम्मानित)उपाधि–त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम	निर्धारित संख्या में छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराकर उपाधि प्रदान करना।
02	योगाचार्य–द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	–––तदैव–––
03	योग (पी0जी0 डिप्लोमा)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर–अधिकार पत्र) (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
04	ज्योतिष (पी0जी0 डिप्लोमा)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
05	वास्तुशास्त्र (पी0जी0 डिप्लोमा)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
06	कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य)–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
07	पत्रकारिता एवं जनसंचार–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
08	कम्प्यूटर पाठ्यक्रम–एकवर्षीय पाठ्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)	–––तदैव–––
09	कम्प्यूटर पाठ्यक्रम–छः माह (प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)	–––तदैव–––
10	योग–छः माह (प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम)	–––तदैव–––

परम्परागत आचार्य अधोलिखित अन्य पाठ्यक्रम

क्र.स.	कार्यक्रम/पाठ्यक्रम	लक्ष्य एवं नितियां
01	आचार्य–नव्यव्याकरण	निर्धारित संख्या में छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराकर उपाधि प्रदान करना।
02	आचार्य–फलित ज्योतिष	–––तदैव–––
03	आचार्य–साहित्य	–––तदैव–––
04	आचार्य–भाषा विज्ञान	–––तदैव–––

1–विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में शिक्षा शास्त्री (बी0एड0) पाठ्यक्रम एन0सी0टी0ई0 के दिशानिर्देशों पर शैक्षिक सत्र–2010–11 से प्रारम्भ किया गया है। शास्त्री तथा आचार्य उपाधियों के अर्न्तगत कई अन्य विषय आगामी सत्र 2012–13 से प्रारम्भ किये जाने का प्रस्तावित है, आगामी सत्र से व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत दिव्य संगीत में पी0जी0 डिप्लोमा एव ंकथा–प्रवचन में पी0जी0 डिप्लोमा सहित पी0एच0डी0 (शोध उपाधि) सम्बन्धी गतिविधियों एवं शिक्षाचार्य (एम0एड0) भी नये शैक्षिक सत्र से प्रारम्भ किये जाने प्रस्तावित हैं। इसके अतिरिक्त एन0एस0एस0 का कार्यक्रम भी चल रहा है।

विभाग द्वारा प्रस्तावित वर्षवार–2012–13 की प्रत्येक योजना का विवरणः–

क्र. स.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		परीकल्पित प्रोजेक्टैड आउटपुट		समय सीमा	परीकल्पित प्रोजेक्टेड आउटकम		समय सीमा
			नॉन प्लान	प्लान	नॉन प्लान	प्लान		नॉन प्लान	प्लान	
01	विश्वविद्यालय शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों हेतु आवश्यकता	जिन उद्देश्यों की पूर्ति के दृष्टिगत विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी उन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु		345.00 लाख	–	वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा जिन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, उससे संस्कृत छात्रों को लाभ हो रहा है। योग, ज्योतिष, वास्तु, पत्रकारिता,, बी0लिब्0 जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जिससे संस्कृत जगत के छात्रों में रोजगार के अवसर बढने की संभावना है। संस्कृत में शिक्षा–शास्त्री (बी0एड0) पाठ्यक्रम संचालित होने से प्रदेश को संस्कृत माध्यम से पठन–पाठन कराने हेतु शिक्षक उपलब्ध होने की संभावना है।	पाठ्यक्रमों में निर्धारित समय सीमा के अनुसार		विश्वविद्यालय द्वारा जिन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, उससे निश्चित ही संस्कृत जगत के छात्रों को लाभ होगा। योग, ज्योतिष, वास्तु, पत्रकारिता,, बी0लिब0 जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित होने से संस्कृत जगत के छात्रों में रोजगार के अवसर बढेंगे। संस्कृत में शिक्षा–शास्त्री (बी0एड0) पाठ्यक्रम संचालित होने से प्रदेश को संस्कृत माध्यम से पठन–पाठन कराने हेतु शिक्षक उपलब्ध होंगे।	छात्रों की योग्यता अनुसार

विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य एवं नीतिगत पहल :–

❖ उपरोक्त वर्णित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु शिक्षण कार्य में विश्वविद्यालय द्वारा उच्च स्तरीय शिक्षण पाठ्यक्रमों का निर्धारण कर शिक्षकों द्वारा तद्नुरूप छात्रों को शिक्षण कार्य कराया जा रहा है। रोजगारपरक कार्यक्रमों हेतु प्रयोगात्मक अभ्यास हेतु उपकरणों/सामग्रीयों की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है, जिससे कि छात्र योग, ज्योतिष, वास्तु, पत्रकारिता आदि महत्वपूर्ण रोजगारपरक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों मे दक्ष हो सकें। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों की सुविधा हेतु पुस्तकालय की स्थापना की गयी है।

गत वर्ष की परफॉरमेंस की समीक्षा :–

वित्तीय वर्ष 2012–13 विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा–शास्त्री (बी0एड0) विभग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश स्तर पर संस्कृत जगत हेतु 100 शिक्षाध्यापक (बी0एड0 छात्र) उपलब्ध कराये गये। इसके अतिरिक्त परम्परागत एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत अनेकों उपाधियॉ प्रदान की गयी।

योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्ष 2012–13) :–

❖ चूंकि शैक्षणिक सत्र 2012–13 गतिमान है, अतः विश्वविद्यालय की योजना के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति का विवरण अभी उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है।

5–वित्तीय समीक्षाः– वित्तीय वर्ष 2012–13 विश्वविद्यालय को शासन से अनुदान के रूप में रू0 345.00 लाख की धनराशि प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय द्वारा अपने स्रोत से रू0 91.49 लाख की आय प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त अनुदान के सापेक्ष रू0 268.80 लाख का व्यय किया गया है। यू0जी0सी द्वारा 250.00 लाख विश्वविद्यालय भवन/छात्रावास निर्माण हेतु प्राप्त हुआ है। शासन से कार्यदायी संस्था निगम उत्तर प्रदेश संस्था निर्धारण 28 मार्च 2013 से होने के कारण वित्तिय वर्ष 2013–14 में एम.ओ..यू. किया जायेगा।

वित्त नियंत्रक

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,हरिद्वार

पत्रांकः /वित्त/2013–14 दिनांकः– अप्रैल ,2013

सेवा में,

श्री अरूणेन्द्र चौहान
अपर निदेशक,
कोषागार एवं वित्त सेवायें,
23, लक्ष्मी रोड़, डालनवाला,
देहरादून।

विषयः– आउटकम बजट 2013–2014 बनाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक *शासन के पत्र संख्या /**XXVII** (04)/2013 दिनांक 10.04.2013* के अनुपालन में आउटकम बजट 2012–2013 तथा 2013–2014 सॉफ्ट कॉपी के साथ आपकी सेवा में प्रेषित किया जा रहा है।

कृपया प्राप्ति स्वीकार करने का कष्ट करें।

भवदीय

वित्त अधिकारी

पत्रांकः /वित्त/2013–14/तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित की सेवा में सूर्चनार्थ एवं कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. संयुक्त सचिव, वित्त ऑडिट प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड देहरादून।

वित्त अधिकारी